Dr. DHANVIR PRASAD

ASSISTANT PROFESSOR (G. T)

DEPT.OF.PSYCHOLOGY

C.M.J COLLEGE DONWARIHAT(KHUTONA)MADHUBANI

L.N.M.U DARBHANGA

WHAT IS ABNORMAL PSYCHOLOGY?

असामान्य मनोविज्ञान की परिभाषा विभिन्न मनोवैज्ञानिकों ने भिन्न-भिन्न ढंग से दिया है।**कोलमैन** ने इसे परिभाषित करते हुए कहा है कि - असामान्य मनोविज्ञान मनोविज्ञान का वह क्षेत्र है जो असामान्य व्यवहार को समझने के लिए मनोवैज्ञानिक सिद्धान्तों का विकास एवं गठन करने की दक्षता रखता है।

Abnormal psychology is the field of psychology which specializes is the development and integration of psychological principles for the understanding of the abnormal behavior

लैंडिस एवं बौल्स ने असामान्य मनोविज्ञान को परिभाषित करते हुए लिखा है कि - असामान्य

मनोविज्ञान वैसे लोगों का मनोविज्ञान है जो मानसिक रूप से अस्वस्थ है, वैसे लोगों का मनोविज्ञान है जो मानवीय विशेषताओं में सामान्य वक्र के दोनों छोरों पर स्थित है, वैसे लोगों का मनोविज्ञान है जो अपने-आप में तथा आसपास के वातावरण में कुसमायोजित है, जो तन्त्र-मन्त्र का मनोविज्ञान है, जो विक्षिप्तों का मनोविज्ञान है या जो असमर्थ एवं गैर जिम्मेदार व्यक्तियों का मनोविज्ञान है।

Abnormal psychology can be considered as psychology of these who are sick, the psychology of person who are at the extremes of the normal distribution of human characteristics, the psychology of those who are badly adjusted within themselves or to the world they live in, the psychology of occult, the psychology of insane or the psychology of incompetant and irresponsible.

किस्कर ने इसे परिभाषित करते हुए कहा है कि विधटित व्यक्तित्व का अध्ययन ही असामान्य मनोविज्ञान है।

The study of disorganized personality has been known as abnormal psychology.

क्लेन मुंज की राय में विश्रृंखलित व्यवहार का अध्ययन ही असामान्य मनोविज्ञान है।

Abnormal psychology is the study of disorders behavior.

असामान्य मनोविज्ञान की प्रत्येक परिभाषा की अपनी कोई-न-कोई विशेषता है। क्योंकि प्रत्येक परिभाषा एक या एक से अधिक दृष्टिकोणों को ध्यान में रखकर दी गयी है। आधुनिक संदर्भ में किसी भी एक उपलब्ध परिभाषा को पूर्ण नहीं कहा जा सकता है। किसी परिभाषा में एक पक्ष पर जोर है तो किसी अन्य में किसी दूसरे पक्ष पर । मनोविज्ञान की इस शाखा को कुछ इस ढंग से परिभाषित किया जा सकता है – "असामान्य मनोविज्ञान मनोविज्ञान की वह शाखा है जिसमें असामान्य व्यवहार की उत्पत्ति एवं विकास को समझने के लिए मनोविज्ञान के अन्य क्षेत्रों में उपलब्ध तथ्यों का उपयोग किया जाता है।"

इस परिभाषा के अनुसार –

1. असामान्य मनोविज्ञान मनोविज्ञान की एक शाखा मात्र है।
2. इसमें असामान्य व्यवहार की उत्पत्ति एवं उसके विकासक्रम की जानकारी प्राप्त की जाती है, तथा
3. मनोविज्ञान के दूसरे क्षेत्रों की उपलब्धियों का उपयोग असामान्य व्यवहार को समझने के लिए किया जाता है।